www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 29 || लखनऊ
बुधवार
29 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:30
सूर्यास्तः 06:38
अधिकतमः 38°00
न्यूनतमः 25°00

विशेष समाचार
बिहार-नेपाल बॉर्डर पर बहुत ... >> पेज 02
अनुपमा जायसवाल से मिले... >> पेज 04
प्रीत सिंह ने मुंबई के क्लब में मारपीट...

ममता की सीट पर सीआरपीएफ का फ्लैग मार्च, कोलकाता में बूथ कर्मचारी गर्मी में बेहोश

142 सीटों पर वोटिंग आज

तनावपूर्ण

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बुधवार को 142 सीटों पर वोटिंग होनी है। इसको लेकर राज्य में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। ममता की भवानीपुर सीट पर मंगलवार को CRPF ने फ्लैग मार्च निकाला। ममता के खिलाफ भाजपा ने सुवेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है। इधर चुनाव कर्मचारी EVM मशीन लेकर पोलिंग बूथ पर पहुंच चुके हैं। कोलकाता में एक महिला कर्मचारी गर्मी के चलते बेहोश हो गई। सेकेंड फेज में कुल 1448 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण में 92.72% मतदान हुआ था। 4 मई को नतीजे आएंगे। भाजपा उम्मीदवार के घर के बाहर गोलीबारीः उत्तर 24 परगना के भाटपारा में भाजपा उम्मीदवार के आवास के बाहर गोलीबारी में एक सीआईएसएफ जवान घायल हो गया। मामले में एक पार्षद सहित चार लोग गिरफ्तार हुए हैं। उधर, हावड़ा में एक पोलिंग बूथ के परिसर से आठ क्रूड बम बरामद किए गए। तृणमूल पार्षद समेत 1,543 गिरफ्तारः दूसरे चरण के मतदान को शांतिपूर्ण बनाने के लिए चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस ने राज्य भर में 1,543 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूर्व बर्धमान के टीएमसी पार्षद नारु गोपाल भक्त भी शामिल हैं, जिन पर भाजपा नेता के घर हमले और डराने-धमकने का आरोप है। 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की जब्तीः बंगाल में 510 करोड़ रु. से अधिक की अवैध सामग्री जब्त हो चुकी है। 2021 के चुनाव में 339 करोड़ की जब्ती हुई थी। इस बार 30 करोड़ रु. नकद, 126.85 करोड़ की 48,000 लीटर शराब, 110.12 करोड़ के ड्रग्स और 58.28 करोड़ का सोना-चांदी शामिल है। बंगाल चुनाव के बीच यूपी के IPS अफसर अजय पाल के कुछ वीडियो वायरल हो रहा हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

- **8** क्रूड बम बरामद हावड़ा में पोलिंग बूथ से
- **1,543** लोगों की गिरफ्तारी, जिनमें टीएमसी पार्षद भी शामिल
- **510** करोड़ से ज्यादा की अवैध सामग्री जब्त (कैश, शराब, ड्रग्स, सोना-चांदी)

पश्चिम बंगाल चुनावः बम के इस्तेमाल को रोकने एनआईए तैनात की गई

ECI सूत्रों ने बताया कि इस बार पश्चिम बंगाल के चुनावों में किसी भी तरह के बमों का इस्तेमाल न हो। इसके लिए NIA को तैनात किया गया है। बंगाल में दूसरे फेज की 142 सीटों पर कल वोटिंग होगी। साउथ 24 परगना जिले में फालता विधानसभा के जॉइंट बीडीओ को चुनाव आयोग ने हटा दिया है। उन्हें पुरुलिया भेजा गया है। आयोग के मुताबिक सौरभ पर यह कार्रवाई किसी पुराने मामले पर की गई है। हालांकि सूत्रों के मुताबिक सौरभ के हटने की वजह आईपीएस अजय पाल शर्मा के साथ सहयोग नहीं करने को भी माना जा रहा है। तृणमूल सांसद पर हमला, कांच से घायलः हुगली के गोघाट में तृणमूल सांसद मिताली बाग की गाड़ी पर पत्थरों से हमला हुआ। इसमें कांच लगने से वह घायल हो गईं। मिताली बाग ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया। वहीं भाजपा ने इसे सहानुभूति बटोरने के लिए किया गया 'नाटक' करार दिया है।

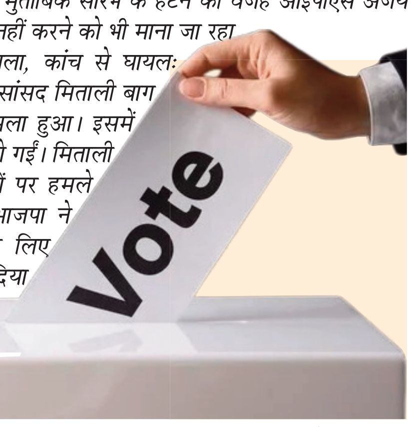

भारत-रूस मिलकर यूरिया फैक्ट्री लगाएंगे

अभी जरूरत का 71% यूरिया मिडिल-ईस्ट से आता है

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान जंग के कारण पैदा हुए यूरिया संकट के बीच भारत और रूस ने जॉइंट वेंचर में फर्टिलाइजर प्लांट लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी हैं। यह प्लांट रूस के समारा में लगाया जा रहा है, जो अगले दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसे लेकर हाल ही में एक भारतीय दल ने रूस का दौरा किया है। भारत और रूस के इस साझा प्रोजेक्ट में करीब 20 हजार करोड़ रुपए का निवेश होना है। रूस में लगने वाले 20 लाख टन क्षमता के यूरिया प्रोजेक्ट में इंडियन पोटाश लिमिटेड, RCF और NFL शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट के जरिए भारत खाद के आयात पर निर्भरता कम करना चाहता है। भारत अपनी खेती के लिए नाइट्रोजन आधारित खाद यूरिया पर बहुत ज्यादा निर्भर है। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का करीब 71% यूरिया मिडल-ईस्ट के देशों से आयात करता है। भारतीय कंपनियां इंडियन पोटाश लिमिटेड (IPL), राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (RCFL) और नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (NFL) मिलकर 10 हजार करोड़ का निवेश करेंगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

पश्चिम बंगाल के फलता में टीएमसी का विरोध प्रदर्शन, केंद्रीय बलों को घेरा

चुनाव से ठीक एक दिन पहले, दक्षिण 24 परगना की फलता विधानसभा सीट पर भारी तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। चुनाव से पहले सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा ने केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ मिलकर 'रूट मार्च' निकाला। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने गाड़ियों को घेर लिया और विरोध प्रदर्शन किया। चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच के सामने एक याचिका में, TMC MP कल्याण बनर्जी ने दावा किया कि आयोग ने उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए लगभग 350 लोगों की एक नई लिस्ट तैयार की है। बनर्जी क सीनियर वकील भी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 30 जून तक हाई कोर्ट के स्टे ऑर्डर के बावजूद चुनाव आयोग उसका पालन नहीं कर रहा है।

पश्चिम बंगाल : फलता के जॉइंट बीडीओ सौरभ हाजरा को हटाया गया

साउथ 24 परगना जिले में फालता विधानसभा के जॉइंट बीडीओ को चुनाव आयोग ने हटा दिया है। उन्हें पुरुलिया भेजा गया है। आयोग के मुताबिक सौरभ पर यह कार्रवाई किसी पुराने मामले पर की गई है। हालांकि सूत्रों के मुताबिक सौरभ के हटने की वजह आईपीएस अजय पाल शर्मा के साथ सहयोग नहीं करने को भी माना जा रहा है। चुनाव से ठीक एक दिन पहले, दक्षिण 24 परगना की फलता विधानसभा सीट पर भारी तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। चुनाव से पहले सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा ने केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ मिलकर 'रूट मार्च' निकाला।

रंक्षिण बंगाल, हावड़ा, कोलकाता और 24 परगना के उन इलाकों को कवर करता है, जो टीएमसी का मजबूत किला माने जाते हैं। भाजपा के लिए यहां सेंध लगाए बिना सत्ता तक पहुंचना मुश्किल है। वहीं, तृणमूल के लिए यह गढ़ बचाना चौथी बार सरकार बनाने के लिए बहुत जरूरी है। 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल ने इन 142 सीटों में से 123 जीती थी, लोकसभा चुनाव में भाजपा इन सीटों के 21 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त बनाने में कामयाब रही, जबकि तृणमूल 90 में आगे थी।

तस्वीर कोलकाता की है, ईवीएम मशीन की सुरक्षा में तैनात जवान राइफल लिए नजर आया।

फालता में अजय पाल शर्मा के खिलाफ महिलाओं ने शिकायत कराई

फालता में रात के समय घरों में जबरन घुसने और महिलाओं के साथ मारपीट करने के आरोप में अजय पाल शर्मा और केंद्रीय बलों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। यह शिकायत पीड़ित महिलाओं में से एक ने दर्ज कराई है। मंगलवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई, जिसमें दावा किया गया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के मद्देनजर ₹उपद्रवियों₹ के खिलाफ कार्रवाई के अपने पहले के आदेश का चुनाव आयोग पालन नहीं कर रहा है।

1,468 वोटर बंगाल चुनाव के दूसरे फ़ेज़ में वोट डाल सकेंगे

चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि कुल 1,468 लोग, जिन्हें SIR से जुड़े ट्रिब्यूनल के आदेशों के बाद पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट में जोड़ा गया है, 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में अपने वोट का इस्तेमाल कर सकेंगे।

चुनाव आयोग के मुताबिक, जिन वोटरों के नाम सप्लीमेंट्री रोल में हैं।

वे वेबसाइट पर अपना EPIC नंबर डालकर डिटेल्स देख सकते हैं।

गुजरात के सभी 15 नगर निगमों में बीजेपी जीती

निकाय चुनाव में 9 हजार में 7000 सीटों पर कब्जा

तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की है। राज्य के 15 नगर निगमों, 84 नगर-पालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तालुका पंचायतों के चुनाव की काउंटिंग सुबह 8 बजे से जारी है। इनमें 9992 सीटें हैं। भाजपा ने अब तक 7400 सीटें जीत ली हैं। कांग्रेस को 1315 और अन्य को 592 सीटें मिली हैं। इस चुनाव में भाजपा का स्ट्राइक रेट 76% है। कांग्रेस दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसने 1716 सीटे जीती। वहीं, गोधरा के वार्ड नंबर 7 से निर्दलीय महिला उम्मीदवार अपेक्षाबेन नैनेशभाई सोनी ने जीत हासिल की। इस सीट पर 100% वोटर मुस्लिम हैं। भाजपा ने राज्य के सभी 15 नगर निगमों में जीत दर्ज की। राजकोट, जामनगर, अहमदाबाद, भावनगर, सूरत और मोरबी में फिर कब्जा किया है। वहीं, 9 नए नगर निगमों - आणंद, गांधीधाम, मेहसाणा, मोरबी, नाडियाड, नवसारी, पोरबंदर-छाया, सुरेंद्र-नगर-वधवाण और वापी में हुए पहले चुनाव में जीत दर्ज की है। राज्य के 15 नगर निगम, 84 नगरपालिका, 34 जिला पंचायत और 260 तालुका पंचायत के लिए 26 अप्रैल को वोटिंग हुई थी।

फास्ट न्यूज

धार्मिक प्रथाओं के नाम पर सड़कें ब्लॉक नहीं कर सकते

नई दिल्ली। केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य संप्रदायों के धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को 9वें दिनसुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक कामों के नाम पर सड़कें ब्लॉक नहीं की जा सकतीं। कोर्ट ने कहा कि किसी संप्रदाय को पूजा के तरीके में ऑटोनॉमी है और वह उसके धार्मिक मामलों पर फैसला नहीं दे सकता।

नासिक टीसीएस केस- महिला कर्मचारी पर धर्म बदलने का दबाव था

मुंबई। नासिक के TCS ऑफिस उत्पीड़न मामले में अब नया खुलासा हुआ। पुलिस ने दावा किया है कि मुख्य आरोपी निदा खान ने महिला कर्मचारी पर धर्म परिवर्तन और नाम बदलकर 'हानिया' रखने का दबाव बनाया था। इसके लिए पीड़िता को बुर्का और इस्लामिक किताबें दी थीं, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है। पीड़िता के मोबाइल में ऐसे ऐप्स भी इंस्टॉल कराए गए जिससे उसे धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पीड़िता के शैक्षिक दस्तावेज छीन लिए गए थे और उसे नौकरी के बहाने मलेशिया भेजकर इमरान नामक व्यक्ति के पास काम पर लगाने की भी योजना थी।

ओडिशा में बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंचा शख्स

क्योंझर। ओडिशा के क्योंझर में सोमवार को हैरान करने वाला मामला सामने आया। आदिवासी जीतू मुंडा अपनी मरी हुई बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया। कंकाल देख बैंक में अफरा-तफरी मच गई। दरअसल, जीतू अपनी बहन कलारा मुंडा के खाते से 20 हजार रुपए निकालना चाहता था, इसके लिए वह कई बार बैंक भी गया।

भारत पहले ही हिंदू राष्ट्र : मोहन भागवत

कहा- अयोध्या में राम मंदिर जनसमर्थन से बना

समर्थन

तमसा संकेत, एजेंसी

नागपुर। RSS प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र है। इसे घोषित करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण सत्ता में बैठे लोगों की प्रतिबद्धता और देशभर के लोगों के समर्थन से हुआ। भागवत सोमवार को महाराष्ट्र के नागपुर के रेशिमबाग में डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति के कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम उन लोगों के सम्मान में था, जिनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में राम मंदिर का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि अगर इतना बड़ा रामजन्मभूमि आंदोलन नहीं होता और सत्ता में प्रतिबद्धता नहीं होती, तो मंदिर का निर्माण संभव नहीं था।

अयोध्या मंदिर के लिए मूर्ति बनाने वाले कलाकार अरुण योगीराज का सम्मान किया गया।

योगी का ऐलान, लखनऊ में 936 रेडियो ऑपरेटर को जॉइनिंग लेटर बांटे

यूपी पुलिस में होंगी 1 लाख नई भर्तियां

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने मंगलवार को लखनऊ में ऐलान किया कि इस साल यूपी पुलिस में 1 लाख नई भर्तियां की जाएंगी। उन्होंने कहा- होमगार्ड, पुलिस और दरोगा के पदों पर भर्ती होगी। सीएम ने इस दौरान पुलिस विभाग में 936 रेडियो ऑपरेटर को जॉइनिंग लेटर बांटे। उनके साथ फोटो खिंचवाई। सीएम ने कहा- पिछले 9 साल में 2 लाख 20 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती निष्पक्ष तरीके से की गई, जो एक रिकॉर्ड है। बहुत सारे राज्यों की पुलिस बल की संख्या 2.20 लाख नहीं होगी। 500 से अधिक कुशल खिलाड़ियों को पुलिस बल में शामिल किया गया। उन्होंने कहा- आज से 9 साल पहले एक संकट था। कहां ट्रेनिंग होगी? पहले एक बार में सिर्फ 3,000 पुलिसकर्मियों को ट्रेनिंग देने की क्षमता थी, लेकिन हालात अब बदल चुके हैं। साल 2025 में 60,244 सिपाहियों की भर्ती हुई। इन सभी को यूपी में ही एक साथ ट्रेनिंग दी गई। इससे साबित हुआ कि अगर नीयत साफ हो और नीति स्पष्ट हो, तो परिणाम लाया जा सकता है। सीएम ने कहा- अभी परसों ही 60 हजार सिपाहियों की पासिंग आउट परेड हुई। यानी एक साथ 60 हजार सिपाही यूपी पुलिस का हिस्सा बने, जो अब फील्ड में ड्यूटी करेंगे। आपको देश ही नहीं, दुनिया की सबसे बड़ी सिविल पुलिस का हिस्सा बनने और उसकी दूरसंचार शाखा के माध्यम से 25 करोड़ की आबादी की सेवा करने का मौका मिला है।

> **योगी ने कहा- पुलिस प्रदेश को गुंडा-मुक्त, दंगा-मुक्त और माफिया-मुक्त ही नहीं बना रही है, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति में भी अपनी भूमिका निभा रहा है। इसमें अप्रत्यक्ष रूप से पुलिस का बड़ा योगदान है, क्योंकि कानून का राज विकास की पहली गारंटी होता है। कानून के इस माहौल में ही बड़े निवेशक यूपी में निवेश कर रहे हैं। यह सब दिखाता है कि जब करने की इच्छाशक्ति होती है, तो परिणाम अपने आप सामने आते हैं। पुलिस बल से जुड़े हर कार्मिक को खुद को हमेशा फिट रखना जरूरी है। जब आप शारीरिक रूप से फिट रहेंगे, तो मानसिक रूप से भी मजबूत होंगे।**

'हमारा उद्देश्य हर योग्य नौजवान को अवसर उपलब्ध कराना'

योगी ने कहा- हमारा उद्देश्य एक ही है। हर नौजवान जो योग्य और क्षमतावान है, पुलिस बल का हिस्सा बनना चाहता है, उसके लिए अच्छा अवसर पुलिस भर्ती बोर्ड उपलब्ध कराएगा। 2017 से पहले 10 ऐसे जिले थे, जहां पुलिस लाइन ही नहीं थी। कई थाने ऐसे थे, जिनके पास अपने भवन नहीं थे। पुलिस को सामान्य सुविधाओं का अभाव था। बैरक नहीं थीं। आज खपरैल की बैरकों की जगह हाईराइज इमारतें बन चुकी हैं। मॉडल थाने बन रहे हैं। नए-नए फायर स्टेशन स्थापित हो रहे हैं। स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स यानी एसएसएफ का गठन हुआ। एसडीआरएफ का गठन हुआ है। तीन नई महिला पुलिस बटालियन भी गठित की गई हैं।

संबोधन : परिवारवाद में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हैं, मैं आरक्षण दिलाकर रहूंगा

महिलाओं को सपा-कांग्रेस ने धोखा दिया: मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को काशी में विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा, 40 साल से महिला आरक्षण लटका था। हमने 2023 में नारी शक्ति अभिनंदन पारित किया। ये कानून लागू हो, इसके लिए चर्चा रखी। सपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसी पार्टियों को देश की महिलाओं को धोखा दिया। ऐसे दलों ने 40 साल से महिला आरक्षण पर ब्रेक लगा दिया। सपा ने फिर से इसे लाल झंडी दिखा दी। असली बात यह है कि ये सारे परिवारवादी और तुष्टिकरण में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हैं। पीएम मोदी ने कहा, मैं आप सभी बहनों को फिर से भरोसा देता हूं कि आपके आरक्षण का हक लागू हो, इसमें कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ूंगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

पीएम ने 2 अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

मोदी ने 6,350 करोड़ रुपए की 163 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इनमें सिग्नेचर ब्रिज और कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल शामिल हैं। पीएम ने दो नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। एक ट्रेन वाराणसी से पुणे के बीच चलेगी। दूसरी ट्रेन अयोध्या से मुंबई के लिए शुरू हुई।

सम्मेलन में 50 हजार महिलाएं पहुंचीं, 44 को मंच पर जगह दी

पीएम दो दिवसीय दौरे पर काशी पहुंचे हैं। यहां BLW (बनारस लोकोमोटिव वर्क्स) ग्राउंड में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में करीब 50 हजार महिलाएं आई थीं। पीएम मोदी खुली जीप में सवार होकर उनके बीच पहुंचे। राजनीति, स्वयं सहायता समूह, चिकित्सा आदि वर्गों की 44 महिलाएं मंच पर बैठाई गई थीं।

परिवारवादी पार्टियां देश की बेटियों को संसद-विधानसभाओं में नहीं आने देना चाहतीं

पीएम मोदी ने कहा, बेटियों के लिए थल-वायु और नभ सेना में नए अवसर मिले हैं। डिफेंस के दरवाजे भी बेटियों के लिए खोले हैं। भाजपा सरकार का मतलब ही यही है नारी का उत्थान। हर मोर्चे पर भारत की बेटियां अच्छा काम कर रही हैं। बेटियों की भूमिका बढ़नी चाहिए। देश को इसकी जरूरत है। देश की नई संसद बनाने के पीछे भी बहनों की भागीदारी का विचार था।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, फिर चाकुओं से गोदा

मुंबई में गाड्र्स पर हमला, एटीएस बोली- आईएसआईएस के दस्तावेज मिले

- आरोपी को गिरफ्तारी के बाद मीरा रोड के नयानगर थाने लाया गया।
- आरोपी को घटना के करीब डेढ़ घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया था।

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। मुंबई के मीरा रोड स्थित नया नगर इलाके में एक युवक ने दो सिक्योरिटी गाड्र्स से उनका धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला कर दिया। आरोपी की पहचान 31 साल के जैब जुबेर अंसारी के रूप में की गई है। घटना सोमवार सुबह करीब 4 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के पास दो सिक्योरिटी गार्ड, राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो रमेश सेन ड्यूटी पर तैनात थे। आरोपी पहले इलाके में आया और मस्जिद का रास्ता पूछा। कुछ समय बाद वह दोबारा लौटा। उसने एक गार्ड से धर्म पूछने के बाद अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह केबिन में घुसा और दूसरे गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो उस पर भी हमला कर दिया गया। दोनों घायल गार्डों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराष्ट्र ATS ने उसके घर से ISIS से जुड़े नोट्स, एक लैपटॉप और कुरान की 3 कॉपियां बरामद की हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी ने हमला अकेले प्लान किया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

नेताओं के सोशल मीडिया पर गर्मी की चर्चा

नेताओं के बहाने ही सही लेकिन पूरे देश में भीषण गर्मी का मसला अब सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है। सामान्य तौर पर तो मीडिया संस्थान अपने न्यूज बुलेटिन में टेल पीस यानी पुछल्ले की तरह मौसम का हाल बता ही देते हैं कि तापमान कितना रहेगा, उमस रहेगी या हवा चलेगी, बारिश होगी या केवल बादल छाए रहेंगे, और इसके अलावा मौसम से जुड़ी खबर तभी आती है जब आम जनता के मरने की नौबत आ जाए। जैसे भीषण गर्मी और लू की चपेट से फलानी-फलानी जगह पर इतने दिनों में इतनी मौतें। या बाढ़ के कारण जान-माल की बड़ी हानि। हाड़-मांस के जीते-जागते लोग मौसम की मार के कारण कब मौत के आंकड़ों में तब्दील हो जाते हैं, देश उस पर ध्यान ही नहीं देता। मौसम से मरने वालों के नाम खबरों में नहीं आते, क्योंकि वे बेहद आम और गरीब लोग होते हैं। आसमान से गिरने वाली बिजली भी जानती है कि गरीब कहां खड़ा है, उसी पर गिरती है। लू भी यही जानती है कि उसके लिए गरीब का घर ही खुला है, क्योंकि वहां एसी, कूलर तो दूर की बात पंखा भी नसीब नहीं होता। खस के पर्दे लगाने जैसे पारंपरिक तरीकों से ही थोड़ा बहुत बचाव करने की कोशिश होती है।ब्रेकिंग न्यूज़ सेवा तो ऐसी गर्मी सालों साल से हिंदुस्तान के आम आदमी को झुलसा रही है, लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर उसकी चर्चा है। एक तो बिहार की नवनिर्वाचित विधायक मैथिली ठाकुर ने अपने क्षेत्र अलीनगर का दौरा किया और वहां लोगों ने बिजली कटौती की शिकायत की, तो उनका जवाब था बाप रे बाप! इतनी गर्मी में बिजली नहीं आती। अच्छी बात है कि विधायक महोदया को अहसास तो हुआ कि गर्मी में बिना पंखे के गुजारा करना कितना मुश्किल होता है। उन्होंने फौरन बिजली विभाग में फोन लगाया और कहा कि हमारा नाम खराब हो रहा है यहां की कटौती रोकिए। उसके बाद अपनी जनता से कहा कि चार दिन में बिजली आ जाएगी। इस पर वहां की जनता खुश हुई और ये सारा वाकया बाकायदा रिकार्ड होकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया गया। अब इसे कितने लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं, उसे परख कर शायद मैथिली ठाकुर अपने अगले वीडियो की तैयारी करें। वे मोदीजी की पार्टी भाजपा की विधायक हैं, जहां सब लोग उन्हीं से प्रेरित होकर अलग-अलग एंगल्स से वीडियो बनाकर अपलोड करवाते हैं। काम हो न हो, वीडियो अच्छा चलना चाहिए। वैसे मैथिली ठाकुर को जनता से कहना चाहिए था कि पांच साल तक गर्मी बर्दाश्त कर लें, तब तक भागलपुर में अडानी बिजली संयंत्र तैयार हो जाएगा, जिसमें वादा है कि बिहार के लोगों के लिए सस्ती बिजली दी जाएगी। आखिर इसी वादे के लिए तो हजार एकड़ जमीन अडानी समूह को दी गई और यहां लगे आम, लीची और सागौन के करीब 10 लाख पेड़ काटने की इजाज़त भी दी गई है। अब अगर घनी अमराइयां और घने, फलदार पेड़ शहरों-गांवों में दिखते रहें तो लगेगा कि हम पुराने जमाने में जी रहे हैं, जबकि सरकार को विकास दिखाना है, इसलिए पेड़ों को काटना और कारखाने लगाना जरूरी है। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शायद ऐसा ही कुछ समझाना चाहते हैं। क्योंकि उनका भी एक वीडियो काफी वायरल हुआ है, जिसमें वह कह रहे हैं कि संचार मंत्री जेब में प्याज रखकर घूमता है। श्री सिंधिया ने ये भी बताया कि वह गाड़ी में एसी नहीं चलाते हैं और 51 डिग्री तापमान वाली गर्मी और गर्म हवा के थपेड़ों का सामना करने के लिए जेब में प्याज रखते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किए वीडियो में जेब से प्याज निकालकर लोगों को दिखाया और कहा कि जेब में प्याज रखो और गर्मी से बचे रहो। मोदीजी का चेला बनने के सारे गुण श्री सिंधिया ने अर्जित कर लिए हैं, ये इस वीडियो से समझ आता है। एक तरफ अपनी ताकत और संपन्नता का निर्लज्ज प्रदर्शन और दूसरी तरफ गरीब के जख्मों को कु रेदना, ये दोनों काम मोदी भी बढ़िया करते हैं और अब सिंधिया भी वही कर रहे हैं। गाड़ी में एसी न चलाकर वो अपना एहसान दिखा रहे हैं। लेकिन क्या उन्हें इस बात का एहसास है कि आम आदमी न गाड़ी खरीद पाता है, न एसी। और रहा सवाल प्याज रख कर लू से बचने का, तो ये भी पारंपरिक इलाज के नाम पर फैलाए गए हजारों मिथ में से ही एक है। बेशक प्याज में मौजूद तत्व शरीर के लिए कई तरह से लाभदायक होते हैं। इसकी तासीर ठंडी होती है, इसमें कम्पाउंड क्वेरसेटिन में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर को ठंडक देते हैं। जिस वजह से लोग गर्मी में प्याज ज्यादा खाते हैं। इसे खाने से शरीर का तापमान सामान्य रहता है और पानी की कमी भी नहीं होती। लेकिन ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि प्याज साथ में रखने से आप गर्मी या लू से बच जाएंगे। जानकारों का कहना है कि प्याज खाने से शरीर को ठंडक मिलती है लेकिन इसे साथ में रखने से हीट स्ट्रोक या लू से नहीं बच सकते हैं। इसलिए गर्मी से बचने के लिए नारियल पानी, तरबूज, खीरा जैसे फल खाने, हर आधे घंटे पर पानी पीने और ग्लूकोज़ लेवल बनाए रखने की सलाह दी जाती है। साथ ही दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक बाहर न निकलने की सलाह भी चिकित्सक देते हैं। हालांकि यह भी गरीब, मजदूर वर्ग के लिए विलासिता के समान है कि वह पूरी दोपहर आराम करे, क्योंकि उसे तो हर घंटे काम के पैसे मिलते हैं। कम काम यानी कम कमाई। दूसरी तरफ रेहड़ी-पटरी वाले क्या करें, कहां जाएं, उनके लिए भी आजीविका के जो साधन हैं।

बिहार-नेपाल बॉर्डर पर बहुत कुछ बदल रहा है, रोटी-बेटी के रिश्तों में दरार का डर

> सवाल यह भी है कि भारत के हाथ से नेपाल छूटा तो क्या होगा ?कुल मिलाकर युद्ध हो रहा है ईरान-अमेरिका-इजरायल में और लकीरें खिंच रही हैं भारत-नेपाल बॉर्डर पर। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जो भी मजबूरियां हो लेकिन इससे सीमा के दोनों तरफ आम लोगों को इससे दुश्वारियां हो रही हैं।

नेपाल कहने को अलग देश है लेकिन सीमावर्ती इलाकों में जाइए तो पता नहीं चलता कहां भारत खत्म होता है कि और कहां से नेपाल शुरू। इसकी एक ऐतिहासिक वजह रही है कि दोनों देशों की सीमाएं सामान्य नागरिकों में भेद नहीं करती। यहां के बाजार उनके लिए खुले हैं, वहां के सामान यहां आराम से आते हैं। दरअसल दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ रिश्तों के नीचे यही आवागमन की सुगमता बुनियाद है। लेकिन हाल फिलहाल में कुछ ऐसा हुआ है जिससे इस बुनियाद के दरकने का डर पैदा हो गया है। नेपाल की बालेन सरकार के इस नए फैसलों ने इस 'सहज संबंध' पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दोनों देशों में इस फैसले का विरोध हो रहा है। सीमा पर बढ़ती सख्ती, कस्टम ड्यूटी की वसूली और वाहनों की जब्ती जैसी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति पैदा कर दी है। सीतामढ़ी जिले के भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में हाल ही में जो घटनाएं सामने आईं, उन्होंने इस बदलते माहौल को और स्पष्ट कर दिया है। सोनबरसा प्रखंड के इंदरवा के पास नेपाली सुरक्षाकर्मियों द्वारा भारतीय वाहनों को रोककर जब्त किए जाने से अचानक तनाव फैल गया। बताया जाता है कि नेपाल जाने वाले भारतीय नागरिकों के वाहनों को रोका गया और कुछ मामलों में अभद्र व्यवहार की शिकायत भी सामने आई। इस घटना ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है। घटना के विरोध में भारतीय पक्ष के लोगों ने भी नेपाल से आने वाले वाहनों को रोक दिया। देखते ही देखते सीमा पर हंगामे जैसी स्थिति बन गई और दोनों तरफ आवाजाही बाधित हो गई। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल को हस्तक्षेप करना पड़ा। उनके प्रयासों के बाद नेपाल में जब्त किए गए वाहनों को छोड़ा गया, तब जाकर हालात सामान्य हो सके।दरअसल, यह तनाव केवल एक घटना तक सीमित नहीं है। इसके पीछे नेपाल सरकार का हालिया सख्त कस्टम नियम भी बड़ा कारण बनकर सामने आया है। नेपाल की बालेन सरकार ने पुराने नियम को सख्ती से अनुपालन करा रहे हैं। नेपाल ने नया प्रावधान लागू करते हुए भारत से ले जाए जाने वाले 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम ड्यूटी अनिवार्य कर दिया है। यह शुल्क 5 प्रतिशत से लेकर 80 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके चलते भारत-नेपाल से सटे बिहार के इलाके वाले कस्बों के बाजार में मंदी आ गई है। अविनाश कुमार, स्थानीय व्यापारी, मोतिहारी बताते है कि इससे हमारा कारोबार ठप हो जाएगा। हम रोजाना 50-60 हजार का माल नेपाल ले जाते थे। अब 100 रुपये से ऊपर के हर सामान पर ड्यूटी? यह तो लूट है! पहले खुला व्यापार था, अब सब बंद। हमारा रोजगार छिन जाएगा।"- नए कस्टम शुल्क के गणित को इस प्रकार समझा जा सकता है कि अगर आप रक्सौल बॉर्डर पर 1000 रुपए का सामन खरीदकर नेपाल की ओर जाते हैं तो बॉर्डर पर उस सामान की कीमत कस्टम ड्यूटी चुकाने के बाद बढ़ जाएगी। क्योंकि अगर सामानों की कैटेगरी 15 फीसदी की सीमा में होगी तो उसपर 150 रुपए का सीमा शुल्क लगेगा, 13 फीसदी वैट पर 149।5 रुपए देना होगा। इस तरह 1000 का सामान आपको 1299।5 रुपए में पड़ेगा। यही वजह है कि नेपाल से लोग भारत से सटे बॉर्डर पर खरीददारी को नहीं आ रहे हैं।इस नियम का सीधा असर सीमावर्ती इलाकों के लोगों पर पड़ रहा है, जिनकी रोजमर्रा की जिंदगी दोनों देशों के बाजारों पर निर्भर करती है। पहले जहां लोग बिना रोक-टोक आवाजाही करते थे, अब उन्हें हर छोटे सामान पर भी शुल्क देना पड़ रहा है। मोतिहारी के व्यापारियों का आरोप है कि नेपाल सरकार ने यह कस्टम नियम 15 अप्रैल से लागू किया है। इसका मकसद अपना स्थानीय उद्योग बचाना और राजस्व बढ़ाना बताया जा रहा है। लेकिन भारत-नेपाल के बीच 1950 की व्यापार संधि में खुला व्यापार का प्रावधान है। व्यापारियों का आरोप है कि नेपाल एकतरफा फैसला ले रहा है।इसलिए हम केंद्र सरकार से अपील कर रहे हैं। यह भारत-नेपाल के बीच 1950 की संधि का उल्लंघन है। अगर नियम नहीं बदला गया तो सीमा पर आंदोलन होगा। नेपाल में भारतीय सामान सस्ता मिलता था, इसलिए बिक्री अच्छी थी। 80% ड्यूटी लगेगी तो कीमतें दोगुनी हो जाएंगी। ग्राहक कौन खरीदेगा?"अररिया जिले के जोगबनी बॉर्डर से लेकर आमबारी तक करीब 28 किलोमीटर के क्षेत्र में इस नियम का असर धीरे-धीरे दिखने लगा है। हालांकि फिलहाल भीड़ कम है, लेकिन व्यापारियों में चिंता बढ़ती जा रही है।स्थानीय व्यापारियों का यह भी कहना है कि अगर यह नियम लंबे समय तक जारी रहा, तो उनके कारोबार पर गंभीर असर पड़ेगा। ग्राहक कम होंगे और सीमावर्ती बाजारों की रौनक खत्म हो सकती है। नेपाल बॉर्डर पर आने वाले ज्यादातर ग्राहक नेपाली थे, जिन्हें कम कीमत में सामान मिल रहा था। मोतिहारी के रक्सौल बॉर्डर पर भी स्थिति अलग नहीं है। यहां से नेपाल के बीरगंज तक रोजाना बड़ी मात्रा में सामान जाता था, लेकिन अब व्यापार लगभग ठप होने की कगार पर है।व्यापारियों का कहना है कि 100 रुपये से ऊपर हर सामान पर टैक्स लगने से लागत बढ़ जाएगी और ग्राहक खरीदारी से पीछे हट जाएंगे। इससे छोटे व्यापारियों और मजदूरों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। फिर नेपाल से कटे बिहार के कुछ जिलों में नेपाली वाहनों को पेट्रोल-डीजल देने पर रोक लगा दी गई है। इससे सीमावर्ती इलाकों में लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। दरअसल नेपाल में पेट्रोल की कीमत 31 रुपये ज्यादा है। रोक के पीछे वजह बताई जा रही है कि यहां से पेट्रोल-डीजल की तस्करी हो रही है। हालांकि, आपात स्थिति में 50 से 100 रुपये की पेट्रोल-डीजल देने की इजाजत है। अररिया, किशनगंज में सीमा से सटे पेट्रोल पंप काफी हद तक नेपाली खरीदारों से भरे रहते थे।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

जनपद-सोनभद्र

सोनभद्र में बायो-फ्लॉक तकनीक से महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण समृद्धि का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश के जनपद सोनभद्र के सुदूर पथरीले और पहाड़ी अंचलों में, जहाँ जल की निरंतर कमी और भौगोलिक विषमताएं कृषि एवं आजीविका के मार्ग में सदैव बाधक रही हैं, वहाँ अब विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। ''उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (न्यू्ैत्स्ड)'' के तत्वावधान में संचालित योजनाओं ने ग्रामीण परिवेश की महिलाओं को न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है, बल्कि उन्हें 'उद्यमी' के रूप में एक नई पहचान भी दी है। जनपद के विकास खंड चतरा के ग्राम चपईल में ''शिव गुरु आजीविका स्वयं सहायता समूह'' की सफलता इस बात का जीवंत प्रमाण है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का संगम हो, तो कठिन परिस्थितियों में भी समृद्धि के द्वार खुल सकते हैं। यहाँ की महिलाओं ने पारंपरिक और जोखिम भरे मछली पालन के स्थान पर आधुनिक 'बायो-फ्लॉक' तकनीक को अपनाकर जीवन का आधार बदला है। इस परिवर्तन की रीढ़ वह सरकारी वित्तीय संरचना है, जो ग्रामीण निर्धनों को सीधे संसाधनों से जोड़ती है। योजना के अंतर्गत एक बायो-फ्लॉक इकाई की स्थापना के लिए कुल 3.5 लाख रुपये की लागत का प्रावधान किया गया, जिसमें से 2 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि आजीविका निधि के रूप में मिशन द्वारा सीधे ग्राम संगठन को उपलब्ध कराई गई। शेष धनराशि को सी.आई.एफ. (कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड) से ऋण के रूप में प्राप्त कर इन महिलाओं ने अपने पैरों पर खड़े होने का साहस जुटाया, जो सरकारी तंत्र की संवेदनशीलता और दूरदर्शिता को दर्शाता है। सोनभद्र जैसे क्षेत्र में, जहाँ जन-जीवन मुख्य रूप से प्राकृतिक वर्षा पर निर्भर रहता है और गर्मी के दिनों में तालाब व पोखर सूखने से मछली पालन जैसे व्यवसाय में भारी घाटा सहना पड़ता था, वहाँ बायो-फ्लॉक विधि एक ईश्वरीय वरदान की तरह उभरी है। इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता इसका जल-कुशल होना और सीमित स्थान में उच्च उत्पादकता देना है। मात्र 1300 वर्ग फीट की पानी की टंकी में, जहाँ पानी का आदान-प्रदान बेहद सीमित होता है, वहां 2000 मछलियों का पालन संभव हो पाता है। सरकारी सहयोग से समूह की महिलाओं ने वर्तमान में 4 टैंक स्थापित किए हैं, जिनमें लगभग 6000 मछलियों का वैज्ञानिक तरीके से पालन किया जा रहा है। ये मछलियाँ मात्र 7 माह की अवधि में विक्रय हेतु तैयार हो जाती हैं। आर्थिक आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो 7 माह के एक चक्र में 6 से 7 लाख रुपये तक का उत्पादन प्राप्त हो रहा है, जिससे समूह की महिलाओं को 1 से 2 लाख रुपये की शुद्ध आय अर्जित हो रही है। यह लाभ केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने ग्रामीण समाज की उस कड़वी हकीकत को बदल दिया है जहाँ महिलाएं मजदूरी के लिए दूसरे गांवों में जाने को विवश थीं। पूर्व में फसल कटाई के दौरान मात्र 100 रुपये और 3 किलो चावल की दिहाड़ी पर दिन भर खटने वाली महिलाएं अब अपने घर के आँगन में काम करते हुए सम्मानजनक रूप से प्रतिदिन 300 रुपये तक कमा रही हैं। इससे न केवल गांवों से होने वाला पलायन रुका है, बल्कि महिलाएं अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी बेहतर ध्यान दे पा रही हैं। सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए 03 दिवसीय प्रशिक्षण ने इन महिलाओं को तकनीकी रूप से इतना सक्षम बना दिया है कि वे अब टार्पुलिन टैंक, प्रोटेक्टिव लाइनर, एयर पंप और टीडीएस मीटर जैसे उपकरणों का संचालन कुशलतापूर्वक कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर इन सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित होने से उत्पादन लागत में कमी आई है और क्षेत्रीय रोजगार को भारी बढ़ावा मिला है। बायो-फ्लॉक विधि में बैक्टीरिया के लिए आदर्श स्थिति उत्पन्न होने के कारण मछलियाँ तेजी से विकास करती हैं और मृत्यु दर भी नगण्य रहती है, जिससे जोखिम कम और लाभ सुनिश्चित होता है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का यह मॉडल अब जनपद के अन्य विकास खंडों में भी प्रस्तावित किया गया है, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों को गरीबी के दलदल से बाहर निकाला जा सके। सोनभद्र की यह सफलता की कहानी सरकारी प्रोत्साहन, वित्तीय अनुदान और आधुनिक तकनीक का मेल किसी भी क्षेत्र की तस्वीर बदलने के लिए प्रेरक है, इससे न केवल स्थानीय स्तर पर मांग की पूर्ति हो रही है।

यह बड़ी सच्चाई...

वीरेन्द्र सिंह परिहार

बंगाल में अप्रत्याशित मतदान के मायने

बंगाल के 294 सीटों पर पहले चरण में 152 सीतों पर मतदान 23 अप्रैल को सम्पन्न हो गया। जहाँ पर प्रत्याशा के विपरीत 92 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ। जबकि उसी समय तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में 88 प्रतिशत मतदान की खबरे हैं। बड़ी-बात यह कि जहाँ तमिल नाडु में अमूमन शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न हुआ वहीं बंगाल में अभूतपूर्व तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद वह हिंसा से प्रभावित रहा। 29 अप्रैल के चुनाव में बंगाल की 142 सीटों में भी कमोवेश यही स्थिति देखने को मिल रही है। यह बताने की जरूरत नहीं कि यह आक्रामकता ज्यादातर मामलों में टी.एम.सी. की ओर से देखने को मिली। जहाँ दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी सुवेन्द्र सरकार के साथ मारपीट की गई, वहीं आसनसोल दक्षिण के भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पाल की कार पर पथराव हुआ जिससे उनका वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। मुर्शिदावाद के नौदा में मतदान से पहले रात देशी बम फेंका गया, जिससे कई लोग घायल हो गये। इसके बाद वहाँ पहुँचे हुमायु कबीर की कार पर पत्थरों और लाठियों से हमला किया गया। सिलीगुड़ी में भाजपा/टी.एम.सी. कार्यकर्ताओं में झड़प की खबरे हैं लेकिन इन कुछ घटनाओं के बावजूद यह कहा जा सकता है कि अमूमन वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने भयमुक्त होकर मतदान के अधिकार का प्रयोग किया। निश्चित रूप से बंगाल में चाहे जिसके चुनाव हों, चाहे वह विधानसभा हो या पंचायत जहाँ व्यापक तौर पर राज्य-पोषित हिंसा का इतिहास रहा है, वहाँ वह यह एक बड़ी उपलब्धि है। बंगाल में जहाँ 92.6 प्रतिशत औसत मतदान की खबरे हैं, वहीं मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में यह 95 प्रतिशत तक को पार कर गया। उदाहरण के लिए मुर्सिदाबाद जिले की 4 मुस्लिम बहुल सीटों पर जहा 77 प्रतिशत से अधिक मुसलमान हैं, उन विधानसभा सीटों पर मतदान का प्रतिशत 95 को भी पार कर गया। ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह कि इसके निहितार्थ क्या हैं ? इसके निहितार्थ यही कि बंगाल में मुस्लिम मतदाताओं ने मतदान को लेकर पूरी ताकत झोंक दी। यह कहा जा सकता है कि इसकी वजह क्या रही होगी ? तो इसकी सबसे बड़ी वजह भाजपा को सत्ता में आने से किसी भी कीमत पर रोकना है क्योंकि भाजपा एक-एक घुसपैठिये को (जो अमूमन मुस्लिम है) उन्हें बंगाल से बाहर करने की बात करती है। अपने घोषणा-पत्र में कामन सिविल कोड लागू करने की बात भी कर चुकी है। यह बड़ी सच्चाई है कि सिर्फ सीमावर्ती बंगाल में ही नहीं, मुस्लिम बहुल इलाकों में भी वहाँ हिन्दू प्रताड़ित ही नहीं, असहाय भी हैं। उसे समाप्त करने और कानून का शासन लाने की बात भाजपा करती है। परन्तु तुष्टिकरण की प्रवृत्ति में पोषित वहाँ का मुसलमान यह स्थिति क्यों आने दे।

जरा हटके

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षों की समृद्ध संग्रामगाथा : सशक्त संवाद से सृजित सामाजिक संरचना

हिंदी पत्रकारिता की दो सौ वर्षों की यात्रा केवल एक भाषाई या संचार माध्यम का विकास नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज, उसकी चेतना, उसके संघर्षों और उसके लोकतांत्रिक विकास की गहरी और बहुआयामी कथा है। 1826 में कलकत्ता से प्रकाशित 'उदन्त मार्तण्ड' से आरंभ हुई यह परंपरा उस समय की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के बीच एक साहसिक प्रयोग के रूप में सामने आई थी। उस दौर में न तो पर्याप्त पाठक वर्ग था, न ही आर्थिक संसाधन, और न ही औपनिवेशिक शासन की ओर से कोई सहानुभूति। फिर भी इस पत्र का प्रकाशन इस बात का प्रतीक था कि भारतीय समाज में अपनी भाषा में अभिव्यक्ति की तीव्र आकांक्षा जन्म ले चुकी थी। प्रारंभिक हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप पूरी तरह मिशनरी था—यह समाज को शिक्षित करने, जनचेतना जगाने और राष्ट्रीय अस्मिता को स्वर देने का माध्यम बनी। यह वह समय था जब समाचार पत्र केवल सूचना देने के लिए नहीं, बल्कि विचारों को दिशा देने और समाज को संगठित करने के लिए निकाले जाते थे। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हिंदी पत्रकारिता ने एक नए बौद्धिक और सांस्कृतिक चरण में प्रवेश किया, जहाँ साहित्य और पत्रकारिता का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस काल में पत्रकारिता केवल घटनाओं के विवरण तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने भाषा, संस्कृति और समाज के व्यापक प्रश्नों को अपने विमर्श का हिस्सा बनाया। लेखन शैली में परिष्कार आया, भाषा अधिक प्रभावशाली और जनसुलभ बनी, और विषयों में विविधता आई। सामाजिक कुरीतियों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और स्वदेशी जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा होने लगी। यह वही समय था जब पत्रकारिता ने भारतीय समाज के भीतर आत्ममंथन की प्रक्रिया को गति दी और एक नए प्रकार की बौद्धिक चेतना को जन्म दिया, जिसने आगे चलकर राष्ट्रीय आंदोलन की वैचारिक नींव तैयार की। बीसवीं सदी के प्रारंभ में हिंदी पत्रकारिता ने स्वतंत्रता संग्राम के साथ स्वयं को पूरी तरह जोड़ लिया। यह काल पत्रकारिता के इतिहास में सबसे अधिक संघर्षपूर्ण और गौरवपूर्ण माना जाता है। समाचार पत्रों ने ब्रिटिश शासन की नीतियों की आलोचना की, जनता के अधिकारों की बात की और आंदोलनों को वैचारिक समर्थन प्रदान किया। पत्रकारिता इस समय केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि प्रतिरोध का उपकरण बन गई थी। अनेक संपादकों और पत्रकारों ने जेल यात्राएँ कीं, आर्थिक संकट झेले और व्यक्तिगत जीवन की कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन उन्होंने अपने दायित्व से पीछे हटना स्वीकार नहीं किया। इस दौर की पत्रकारिता में एक नैतिक दृढ़ता और वैचारिक स्पष्टता दिखाई देती है, जो आज भी आदर्श मानी जाती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि स्वतंत्रता संग्राम की चेतना को जन-जन तक पहुँचाने में हिंदी पत्रकारिता की निर्णायक भूमिका रही। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी पत्रकारिता ने एक नए युग में प्रवेश किया, जहाँ उसे संवैधानिक संरक्षण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त हुआ। इसने पत्रकारिता को संस्थागत रूप से विकसित होने का अवसर दिया। बड़े समाचार पत्रों का विस्तार हुआ, उनका पाठक वर्ग तेजी से बढ़ा और तकनीकी दृष्टि से भी महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए। मुद्रण तकनीकों में सुधार, छायाचित्रों का उपयोग और समाचारों की प्रस्तुति में आधुनिकता ने पत्रकारिता को अधिक प्रभावशाली बनाया। इस काल में पत्रकारिता का दायरा केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुँचने लगी। यह वह समय था जब पत्रकारिता ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत किया और शासन तथा जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम बनी। हालांकि इस यात्रा में चुनौतियाँ भी कम नहीं थीं। 1975 का आपातकाल हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में एक ऐसी घटना के रूप में दर्ज है जिसने उसकी स्वतंत्रता और साहस की कठोर परीक्षा ली। सेंसरशिप, प्रतिबंध और दमन के बीच पत्रकारिता को अपनी भूमिका निभाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कुछ समाचार पत्रों ने दबाव में आकर समझौता किया, लेकिन कई ने साहसपूर्वक प्रतिरोध किया और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अनुभव ने पत्रकारिता को यह सिखाया कि उसकी वास्तविक शक्ति उसकी स्वतंत्रता और निष्पक्षता में निहित है, और यदि ये मूल्य कमजोर पड़ते हैं तो लोकतंत्र भी कमजोर हो जाता है। 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद हिंदी पत्रकारिता के स्वरूप में एक बड़ा परिवर्तन आया। बाजार की शक्तियों का प्रभाव बढ़ा और पत्रकारिता धीरे-धीरे एक व्यवसाय के रूप में विकसित होने लगी। विज्ञापन, प्रसार संख्या और प्रतिस्पर्धा ने संपादकीय नीतियों को प्रभावित करना शुरू किया। तकनीकी प्रगति ने समाचार पत्रों को अधिक आकर्षक और आधुनिक बनाया, लेकिन इसके साथ ही पत्रकारिता के मूल मिशनरी मूल्यों में कुछ हद तक कमी भी देखने को मिली। समाचारों की प्रस्तुति में मनोरंजन और सनसनी का तत्व बढ़ा, और कभी-कभी गंभीर मुद्दे हाशिए पर चले गए। इसके बावजूद यह भी सच है कि इसी दौर में हिंदी पत्रकारिता ने व्यापक विस्तार किया और देश के कोने-कोने तक अपनी पहुँच बनाई। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के उदय ने पत्रकारिता को एक नई दिशा दी। टेलीविजन के माध्यम से समाचारों की तात्कालिकता और दृश्यात्मकता ने उसे अधिक प्रभावशाली बना दिया। अब समाचार केवल पढ़े नहीं जाते थे, बल्कि देखे और महसूस भी किए जाते थे। इससे पत्रकारिता की पहुँच और प्रभाव दोनों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। हालांकि इस माध्यम ने प्रतिस्पर्धा को भी तीव्र किया, जिसके कारण कभी-कभी खबरों की गुणवत्ता और गंभीरता पर प्रश्न उठे।

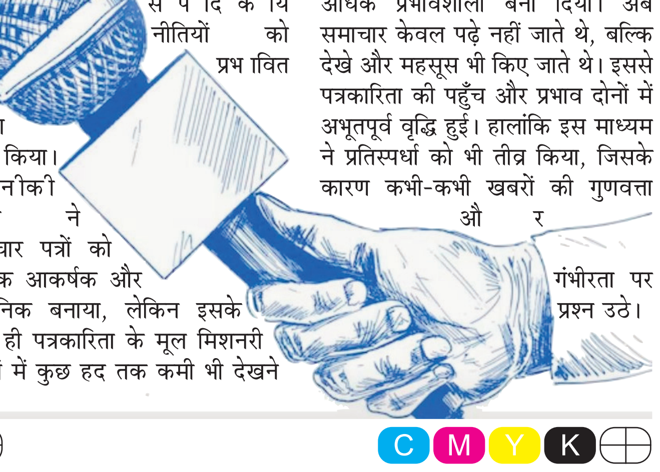

भारतीय महिला टीम ने 1-4 से गंवाई टी-20 सीरीज

साउथ अफ्रीका ने आखिरी मैच 23 रन से जीता, कप्तान वोल्वार्ट ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला टीम का साउथ अफ्रीका दौरा हार के साथ खत्म हुआ है। बेनोनी में सीरीज के पांचवें और आखिरी टी-20 में साउथ अफ्रीका ने भारत को 23 रन से हराया। इस जीत से मेजबान टीम ने सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। 'फ्रीडम डे' पर साउथ अफ्रीका की जीत की स्टार कप्तान लॉरा वोल्वार्ट रहीं, जिन्होंने नाबाद 92 रन बनाए। भारत को 156 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम 20 ओवर में 132 रन ही बना सकी। साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट के लिए यह सीरीज ऐतिहासिक रही। उन्होंने 5 मैचों में 330 रन बनाए, जो किसी भी बाइलेटरल टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की अमेलिया केर (276 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा। वोल्वार्ड्ट ने चार बार 50+ स्कोर बनाए। आखिरी मैच में उन्होंने 30 गेंदों में फिफ्टी और 56 गेंदों में 92* रन बनाकर टीम को 155 तक

पहुंचाया। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले यह सीरीज भारत के लिए 'वेक-अप कॉल' रही। पूरी सीरीज में भारतीय गेंदबाज पावरप्ले में विकेट लेने के लिए संघर्ष करते दिखे। फील्डिंग भी चिंता रही, जहां भारत ने 12 कैच छोड़े। शेफाली (10), जेमिमा (7) और अनुष्का (15) जल्दी आउट हो गईं। भारती फुलमाली ने 40 रन बनाकर उम्मीद जगाई, लेकिन साथ नहीं मिला। ऋचा घोष 25 रन बनाकर नाबाद रहीं, पर टीम लक्ष्य से दूर रही।

फ्लॉप रही भारतीय बल्लेबाजी: भारती फुलमाली की कोशिश बेकार

156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। स्मृति मंधाना को आराम दिए जाने के बाद शेफाली वर्मा के साथ अनुष्का शर्मा ओपनिंग करने उतरीं, लेकिन टीम ने 38 रन पर 3 विकेट गंवाए। शेफाली (10), जेमिमा (7) और अनुष्का (15) जल्दी आउट हो गईं। भारती फुलमाली ने 40 रन बनाकर उम्मीद जगाई, लेकिन साथ नहीं मिला। ऋचा घोष 25 रन बनाकर नाबाद रहीं, पर टीम लक्ष्य से दूर रही।

लॉरा वोल्वार्ड्ट ने एक सीरीज में सबसे ज्यादा 330 रन बनाए

साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट के लिए यह सीरीज ऐतिहासिक रही। उन्होंने 5 मैचों में 330 रन बनाए, जो किसी भी बाइलेटरल टी-20 सीरीज में सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की अमेलिया केर (276 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा। वोल्वार्ड्ट ने चार बार 50+ स्कोर बनाए। आखिरी मैच में उन्होंने 30 गेंदों में फिफ्टी और 56 गेंदों में 92* रन बनाकर टीम को 155 तक पहुंचाया।

हरमनप्रीत कौर और भारती फुलमाली ने चौथे विकेट के लिए 38 रन जोड़े।

वोल्वार्ट के अलावा कोई नहीं चला

एक समय साउथ अफ्रीका का स्कोर 14 ओवर में 97/3 था और टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में कसी गेंदबाजी की। दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह ने 2-2 विकेट लेकर मिडिल ऑर्डर को झकझोरा। मेजबान टीम ने 49 रन में 6 विकेट गंवाए। दीप्ति ने एनेरी डर्कसन और एनेके बॉश को आउट किया, जबकि रेणुका ने क्लो ट्रायोन और नादिन डी क्लार्क के विकेट लिए।

हालांकि, दीप्ति शर्मा का फॉर्म में लौटना और अनुष्का शर्मा का आत्मविश्वास सकारात्मक पहलू हैं।

थॉमस कप क्वार्टर फाइनल में भारत

विमेंस टीम का ग्रुप स्टेज में खत्म हुआ अभियान

सात्विक और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने रिज्की हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराया।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने थॉमस कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, महिलाओं का उबर कप अभियान सोमवार, 27 अप्रैल को समाप्त हो गया। सोमवार को डेनमार्क के होर्सेंस में ग्रुप-ए के दूसरे मैच में भारतीय मेन्स टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से क्लीन स्वीप किया। इससे पहले भारत ने पहले मैच में कनाडा को 4-1 से हराया था। अब बुधवार को भारत का सामना टॉप सीड चीन से होगा, जिससे ग्रुप-ए की टॉप टीम तय होगी। मैच की शुरुआत लक्ष्य सेन ने की। पेरिस ओलिंपिक सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य ने एप्रैम स्टीफन सैम को 21-14, 21-16 से हराकर भारत का खाता खोला। दूसरे सिंगल्स में एशियाई चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट आयुष शेट्टी ने श्रेय ढांढ को 26 मिनट में 21-8, 21-6 से हराकर स्कोर 2-0 किया। भारत की स्टार डबल्स जोड़ी सात्विकसाई-राज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने तीसरा मैच जीतकर अजेय बढ़त दिलाई। एशियन गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट जोड़ी ने रिज्की हिदायत और जैक यू को 21-14, 21-16 से हराया।

फास्ट न्यूज

एक्टर भरत कपूर का 80 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली। वेटरन एक्टर भरत कपूर का सोमवार को निधन हो गया। वह 80 साल के थे। उन्होंने मुंबई में अपने घर पर अंतिम सांस ली। उन्होंने अपने लगभग चार दशकों के करियर में अमिताभ बच्चन स्टारर आखिरी रास्ता और खुदा गवाह समेत 200 से अधिक फिल्मों में काम किया था। उन्होंने नूरी, आखिरी रास्ता, बाजार, इनकार, राम बलराम और बरसात जैसी फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाए थे।

इजराइल में नेतन्याहू को हटाने एकजुट हुए दो पूर्व प्रधानमंत्री

तेल अवीव। इजराइल में दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नफ्ताली बेनेट और येर लैपिड ने मौजूदा पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उनका मकसद लंबे समय से सत्ता में रहे नेतन्याहू को हटाना है। दोनों पहले भी 2021 में साथ आए थे और उन्होंने अलग-अलग विचारधाराओं वाली पार्टियों को जोड़कर 12 साल से चली आ रही नेतन्याहू की सत्ता गिरा दी थी। अब दोनों नेताओं ने फिर से साथ आने और एक नई पार्टी बनाने का फैसला किया है। इस पार्टी का नाम 'टुगेदर' रखा गया है। इसकी अगुवाई बेनेट करेंगे। वे ही पीएम उम्मीदवार भी होंगे। इजराइल में अक्टूबर 2027 में चुनाव होने हैं लेकिन माना जा रहा है कि नेतन्याहू इसी साल अक्टूबर में संसद भंग कर चुनाव करा सकते हैं। 2021 में हुए समझौते के तहत पहले बेनेट प्रधानमंत्री बने और बाद में लैपिड को यह जिम्मेदारी संभालनी थी।

युजवेंद्र चहल की प्रीति जिंटा से ओपनिंग बैटिंग की डिमांड

नई दिल्ली। IPL 2026 में पंजाब किंग्स के शानदार प्रदर्शन के बीच, स्पिनर युजवेंद्र चहल ने टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा से एक मैच में ओपनिंग करने की मांग की, जिसका प्रीति ने मजेदार जवाब दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन इस सीजन में शानदार रहा है। टीम ने अब तक 7 मैचों में 6 जीत दर्ज की है, जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है।

जिमी फैलन शो में दूसरी बार दिलजीत दोसांझ पहुंचे

सिंगर ने जिमी को भांगड़ा सिखाया

मुंबई, एजेंसी

सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ एक बार फिर जिमी फैलन के शो में मंगलवार को नजर आए। शो में दिलजीत ने जिमी को भांगड़ा भी सिखाया। साथ ही इस इंटरनेशनल शो में दिलजीत ने पंजाबी गाने पर परफॉर्म किया। दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शो के स्टूडियो से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी टीम स्टूडियो का दरवाजा खोलते हुए पूछती है, 'क्या लगता था, नहीं लौटेंगे?' इसके बाद कैमरा दिलजीत की ओर घूमता है और वह कहते हैं, 'कहा था ना कि एक बार पंजाबी आ जाएं तो जल्दी नहीं जाते। जिमी फैलन आ गए ओये।' वीडियो में आगे दिलजीत और जिमी फैलन साथ में भांगड़ा करते दिखाई देते हैं। शो के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने भी कुछ क्लिप शेयर किए हैं, जिनमें दोनों की मस्ती और डांस की झलक

देखने को मिलती है। दिलजीत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में यह भी बताया कि जिमी ने उन्हें एक धन्यवाद पत्र लिखकर शो में दोबारा आने के लिए आभार जताया। शो के आधिकारिक हैंडल पर शेयर किए गए। इससे पहले दिलजीत 28 अप्रैल 2024 को जिमी फैलन के शो द टुनाइट शो में नजर आए थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो दिलजीत हाल ही में फिल्म बॉर्डर 2 में दिखे थे।

स्प्लिट्सविला कंटेस्टेंट का दांत टूटा, आंखों में सूजन आई

प्रीत सिंह ने मुंबई के क्लब में मारपीट होने का दावा किया

प्रीत सिंह के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर करीब 90 हजार फॉलोअर्स हैं।

मुंबई, एजेंसी

टीवी शो स्प्लिट्सविला में नजर आईं प्रीत सिंह ने दावा किया कि मुंबई के एक क्लब में उनके साथ मारपीट की गई, जिससे उनका दांत टूट गया और आंखों में सूजन आ गई। प्रीत ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए वीडियो में अपने चेहरे का क्लोजअप दिखाया, जिसमें उनके चेहरे की हालत बहुत खराब दिख रही है। साथ ही कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मैंने हमेशा सुना था कि मुंबई लड़कियों के लिए सबसे सुरक्षित शहरों में से एक है।

कौन हैं प्रीत सिंह?

प्रीत सिंह MTV स्प्लिट्सविला सीजन 16 में 'पैसा विला' की एक कंटेस्टेंट के रूप में नजर आई थीं। शुरुआत में, कंटेस्टेंट्स को दो अलग-अलग विला, प्यार विला और पैसा विला में बांटा गया था, जिनका बाद में मर्जर हो गया। कुछ एपिसोड पहले वह शो से बाहर हो गई थीं।

प्रीत ने यह भी लिखा कि उन्हें इतनी जोर से मारा गया कि उनका दांत टूट गया और चेहरा सूज गया। लोगों के बीच-बचाव के बाद मामला शांत हुआ। बाद में उन्हें पता चला कि वह लड़की खुद को इन्फ्लुएंसर बताती है। हालांकि, प्रीत ने अपनी पोस्ट में उस इन्फ्लुएंसर का नाम नहीं बताया।

स्प्लिट्सविला 16 के कंटेस्टेंट्स ने किया रिएक्ट

स्प्लिट्सविला 16 के कई कंटेस्टेंट्स ने इस घटना पर रिएक्ट किया। जालक गोहिल ने लिखा, 'वह रात हमारे लिए किसी डरावने सपने जैसी थी। मैं जानती हूं प्रीत ने क्या झेला। इस बारे में बोलने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए।' रुरु ठाकुर ने लिखा, 'यह बहुत गलत है। उम्मीद है तुम ठीक हो। अपना ध्यान रखो। तुम बहुत मजबूत हो।'

75 घायल, 6 पाक सैनिकों की मौत के बाद किया जवाबी हमला

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर मिसाइल अटैक, 7 की मौत

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सोमवार को हुए हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में यूनिवर्सिटी के छात्र, बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं। BBC के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि राजधानी असदाबाद में घरों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी निशाना बनाया गया। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने आरोप लगाया है कि ये हमले पाकिस्तान की तरफ से किए गए। उनका कहना है कि सोमवार दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए इन हमलों में मोर्टार और रॉकेट दागे गए। वहीं दूसरी तरफ

पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय का कहना है कि यूनिवर्सिटी और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। दोनों देशों के बीच पहले से ही तनाव बना हुआ है। पाकिस्तान ने मार्च में राजधानी काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर भी हमला किया था, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौत का दावा किया गया था। दोनों देशों के बीच मार्च में एक सीजफायर हुआ था।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जंग जैसे हालात

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में इस साल संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में TTP के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए। बाद में पाकिस्तानी अखबार डॉन ने यह संख्या 80 तक पहुंचने का दावा किया था। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने 27 फरवरी को पाकिस्तान पर हमला किया।

पाकिस्तान के 6 सैनिकों की मौत, एक बंधक

इससे पहले रविवार को अफगानिस्तान के कंधार इलाके में पाकिस्तान के साथ सीमा पर फिर हिंसक झड़प की घटना हुई थी। खामा प्रेस ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि स्पिन बोल्डक इलाके में रात के दौरान दोनों पक्षों के बीच फायरिंग हुई। इसमें पाकिस्तान के छह सैनिक मारे गए। तालिबानी लड़ाके एक सैनिक को बंधक बनाकर ले गए। पाकिस्तानी सैनिकों के हथियार भी लेकर चले गए। हालांकि, इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि देर रात पाकिस्तान की तरफ से सीमा पार फायरिंग हुई।

हरियाणा का युवक अमेरिका में फूड स्टोर में जिंदा जला

50 लाख खर्च कर डंकी रूट से गया, इकलौता बेटा था

करनाल, एजेंसी

हरियाणा के युवक की अमेरिका के टेक्सास शहर में फूड स्टोर में लगी आग में जिंदा जलकर मौत हो गई। इस घटना में पंजाब के मोहाली रहने वाले स्टोर मालिक विक्रांत की भी मौत हो गई। जिस वक्त आग लगी, उस समय युवक और मालिक स्टोर के अंदर ही सो रहे थे। टेक्सास पुलिस के मुताबिक, आग इतनी तेजी से लगी कि दोनों को स्टोर से बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। जब तक आग बुझाई जाती, दोनों की मौत हो चुकी थी और पूरा स्टोर भी जल गया था। हालांकि, आग कैसे लगी, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। करनाल के गांव गंगाटेहड़ी का सुखविंद्र सिंह (22) पुत्र शीशपाल के रूप में हुई। वह परिवार को इकलौता

बेटा था। परिवार ने 50 लाख रुपए खर्च कर उसे डंकी रूट से अमेरिका भेजा था। उधर, इस घटना की खबर मिलते ही गांव और परिवार में मातम छा गया। हर कोई परिवार को सांत्वना देने के लिए पहुंच रहा है। सुखविंद्र सिंह अपने परिवार का इकलौता बेटा था और उसकी दो बहनें हैं, जिनमें से एक की शादी हो चुकी है। उसके पिता शीशपाल खेतीबाड़ी करते हैं। बेटे की मौत की खबर सुनकर परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव गंगाटेहड़ी के सरपंच कुलदीप ने बताया कि सुखविंद्र बहुत ही मेहनती लड़का था। वह परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए अमेरिका गया था और वहां काम भी करने लगा था। उन्होंने सरकार से मांग की है कि परिवार की आर्थिक मदद की जाए और सुखविंद्र का शव जल्द से जल्द भारत लाने में सहायता की जाए। सुखविंद्र सिंह जिस स्टोर में काम करता था, वह स्टोर पंजाब के मोहाली के रहने वाले विक्रांत का था। काम खत्म करने के बाद वह वहीं सो जाता था। भारतीय समय के अनुसार 26 अप्रैल की सुबह सुखविंद्र और स्टोर मालिक दोनों काम के बाद स्टोर में सोए हुए थे।

गिरावट: 1000 माइक्रो-फुलफिलमेंट सेंटर खुलेंगे, इस खबर से इटरनल और स्विगी के शेयर 3% तक गिरे

अमेजन 100 शहरों में शुरू करेगी क्विक कॉमर्स सर्विस

मुंबई, एजेंसी

अमेजन ने अपनी क्विक कॉमर्स सर्विस 'अमेजन नाउ' को देश के 100 शहरों में शुरू करने का प्लान बनाया है। इस खबर के बाद मंगलवार (28 अप्रैल) को शेयर बाजार में इटरनल (जोमैटो) और स्विगी के शेयरों में 3% तक की गिरावट दर्ज की गई। अभी अमेजन नाउ केवल दिल्ली-NCR, मुंबई और बेंगलुरु में ही काम कर रहा है। अमेजन इंडिया ने पिछले हफ्ते 2,800 करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान किया था, यह विस्तार उसी का हिस्सा है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह इस रोलआउट के लिए अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाएगी। इसके लिए 1,000 से ज्यादा माइक्रो-फुल-फिलमेंट सेंटर्स का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। ये छोटे वेयरहाउस होंगे जो कम समय में डिलीवरी सुनिश्चित करेंगे। अमेजन के इस ऐलान का

असर कॉम्पिटिटर कंपनियों के शेयरों पर दिख रहा है। NSE पर इटरनल के शेयर 3.47% गिरकर 246.63 रुपए के इंट्राडे लो पर आ गए। वहीं स्विगी के शेयरों में भी 2.78% की गिरावट है और यह 278.25 रुपए पर पहुंच गए। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेजन के आने से मौजूदा कंपनियों की ग्रोथ और मार्जिन पर दबाव बढ़ सकता है।

16 हजार किसानों को मिलेगा फायदा

अमेजन इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट (एवरीडे एसेंशियल्स) हर्ष गोयल ने कहा कि हमने अपने विस्तार प्लान को तेज कर दिया है। 1,000 से ज्यादा माइक्रो-फुलफिलमेंट केंद्रों की मदद से हम 100 शहरों तक पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि इस विस्तार से 16,000 से ज्यादा किसान अमेजन की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर अपना ताजा सामान सीधे ग्राहकों को बेच सकेंगे।

इटरनल का मुनाफा ₹191 करोड़ रहने का अनुमान

इटरनल आज अपनी चौथी तिमाही के नतीजे जारी करने वाली है। CNBC-TV18 के मुताबिक, कंपनी का मुनाफा 191 करोड़ रुपए रहने की उम्मीद है, जो पिछली तिमाही (Q3FY26) में 102 करोड़ रुपए था। वहीं रेवेन्यू 16,315 करोड़ रुपए से बढ़कर 17,155 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। कंपनी के फूड डिलीवरी नेट ऑर्डर वैल्यू (NOV) में 16-18% और ब्लिंकिट के NOV में 95-100% की बढ़त आ सकती है।

इन शहरों में शुरू होगी अमेजन की सर्विस

अमेजन नाउ जल्द ही पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, जयपुर, लखनऊ, कानपुर, चंडीगढ़, अहमदाबाद, मेरठ, मैसूर, पानीपत, कोच्चि, अमृतसर, मंगलौर और विशाखापत्तनम जैसे शहरों में अपनी सर्विस शुरू करेगी। हालांकि, कंपनी ने अभी इसकी कोई निश्चित समय सीमा तय नहीं की है। 10 से 30 मिनट के भीतर किराने और जरूरी सामान की डिलीवरी करने वाले मॉडल को क्विक कॉमर्स कहते हैं। भारत में ब्लिंकिट, जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट इसके बड़े खिलाड़ी हैं। अमेजन ने इसकी शुरुआत प्राइम नाउ के रूप में की थी, जिसे बाद में रीब्रांड किया गया। अब यह किराना और डेली यूज के सामान पर फोकस कर रहा है।

ई20 के बाद ई85 फ्लेक्स-फ्यूल की तैयारी में भारत

नई दिल्ली। ईरान-अमेरिका संघर्ष के बीच कच्चे तेल के सप्लाई संकट को देखते हुए भारत सरकार अब E85 फ्लेक्स-फ्यूल की ओर कदम बढ़ा रही है। सरकार जल्द ही E85 फ्यूल की मंजूरी के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी कर सकती है, जिसके लिए मार्केट में आम सहमति बन चुकी है। भारत अपनी जरूरत का 90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 50% से ज्यादा हिस्सा पश्चिम एशियाई देशों से आता है जो हॉर्मुज स्ट्रेट से गुजरकर पहुंचता है। ईरान-अमेरिका तनाव की वजह से ये रूट बंद है, जिससे कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर के पार पहुंच गए हैं। कच्चे तेल का महंगा होना न केवल देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ है, बल्कि आत्मनिर्भरता के लिए भी चुनौती है। इसी वजह से सरकार अब इथेनॉल वाले ईंधन पर फोकस कर रही है। E85 फ्यूल में 85% एथेनॉल और 15% पेट्रोल होता है। अभी देशभर में E20 फ्यूल की बिक्री अनिवार्य है। इथेनॉल को गन्ने के रस, मक्का और सड़े हुए अनाज जैसे कृषि उत्पादों से बनाया जाता है।

सोना 1629 गिरकर 1.50 लाख पर आया

ऑलटाइम हाई से 26 हजार सस्ता हो चुका

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 28 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,629 रुपए घटकर 1.50 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले गुरुवार को यह 1.51 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 5,381 रुपए घटकर 2.38 लाख रुपए रह गई। चांदी की कीमत कल यानी 27 अप्रैल को 2.49 लाख रुपए थी। साल की शुरुआत में सोने में तेजी थी, लेकिन हाल के हफ्तों में मुनाफावसूली और ईरान जंग से गिरावट आई है। चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा और यह ऑल टाइम हाई से तेजी से नीचे आई है। असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

अनुपमा जायसवाल से मिले अखिलेश

उनका पुतला जलाते समय झुलसी थीं, सपा प्रमुख ने हाथ जोड़े तो मुस्कुराईं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मंगलवार को अचानक मेदांता हास्पिटल पहुंचे। उन्होंने वहां भर्ती भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल का हाल जाना। अखिलेश ने हाथ जोड़कर नमस्कार किया तो अनुपमा मुस्कराने लगीं। अखिलेश ने विधायक का इलाज कर रहे डाक्टरों से बात भी की। लखनऊ मेयर सुषमा खर्कवाल ने भी विधायक का हालचाल लिया। अखिलेश ने मुलाकात की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। जिस पर एक शेर लिखा, 'उनका जो फर्ज है, वो अहल-ए-सियासत जानें, मेरा पैगाम मोहब्बत है, जहां तक पहुंचे।' बहराइच से विधायक अनुपमा 25 अप्रैल को नारी वंदन अधिनियम संसद में गिरने के विरोध में अखिलेश यादव और राहुल गांधी का पुतला फूंक रही थीं, तभी झुलस गई थीं। इस घटना के तुरंत बाद अखिलेश ने X पर वीडियो पोस्ट किया था। लिखा था, 'आग

लगाने वाले सावधान रहें। आग लगाने वाली महिला की इलाज की व्यवस्था की जाए।' बहराइच में 25 अप्रैल को दोपहर एक बजे भाजपा कार्यकर्ता नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। कार्यकर्ताओं ने जैसे ही पुतले में आग लगाई। लपटें भड़क उठीं और विधायक अनुपमा जायसवाल के चेहरे पर आ गईं। उनका चेहरा और सिर के बाल झुलस गए। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों ने तुरंत कपड़े से आग बुझाई। विधायक को तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से मेदांता भेज दिया गया। अनुपमा जायसवाल योगी सरकार के पहले कार्यकाल में करीब 2 साल बेसिक शिक्षा और महिला एवं बाल विकास मंत्री थीं। वरिष्ठ पत्रकार और लंबे समय तक सपा को कवर करने वाले अशोक त्रिपाठी कहते हैं।

सपा मीडिया सेल ने कहा- पीएम और सीएम को देखने जाना चाहिए था

इस मामले में सपा मीडिया सेल ने पीएम मोदी और सीएम योगी पर निशाना साधा। X पर लिखा, राजनैतिक दल भले ही अलग हों, विचारधारा अलग हो, लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव महिलाओं का सम्मान करने और सद्भाव में सबसे आगे हैं। भाजपा विधायिका अनुपमा जायसवाल सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पुतला जलाते समय खुद जल गई थीं। उन्हें देखने, उनका कुशलक्षेम पूछने और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना के साथ सपा प्रमुख खुद मेदांता हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने अनुपमा से भेंट की, कुशलक्षेम पूछा, अच्छे स्वास्थ्य की कामना की और परिजनों से मुलाकात की। जबकि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ बिष्ट को अपनी विधायिका को देखने मिलने खुद जाना चाहिए था।

अखिलेश ने कहा- राजनीति अपनी जगह, मानवीय संबंधों का महत्व अपनी जगह

सपा प्रमुख ने कहा, हम नहीं चाहते हैं कि समाज के बीच आग जले। हम चाहते हैं समाज में सौहार्द की फुहार हो। हमारी सकारात्मक राजनीति की स्वस्थ परंपरा ने हमें यही सिखाया है। इसीलिए हम भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल से मिलने गए। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करके आए हैं। राजनीति अपनी जगह है और मानवीय संबंधों का महत्व अपनी जगह। सद्भाव बना रहे, सौहार्द बना रहे!

राहुल गांधी नागरिकता मामले में मनीष माथुर करेंगे सुनवाई

लखनऊ हाईकोर्ट में 7 मई को अगली तारीख

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राहुल गांधी की नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ सुनवाई करेगी। यह मामला मंगलवार को न्यायमूर्ति मनीष माथुर के समक्ष सूचीबद्ध हुआ। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने न्यायालय से आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए 7 मई की तारीख तय की है। कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज करने की मांग की है। उनकी याचिका एमपी-एमएलए कोर्ट से खारिज हुई थी। इसके बाद इलाहाबाद

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के पास उन्होंने याचिका लगाई थी। 17 अप्रैल को मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के जज सुभाष विद्यार्थी ने राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने और मामले की जांच CBI से कराने का आदेश दिया था। अगले ही दिन अपना फैसला बदलते हुए उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने पोस्ट किया था कि यदि आपने किसी से पैसा लिया है तो उसे वापस कर दें, अन्यथा आपको जेल जाना होगा। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट में जज का जिक्र नहीं किया था। इसके बाद नाराज होकर 20 अप्रैल को जज सुभाष विद्यार्थी ने इस केस से खुद को अलग कर लिया था।

फास्ट न्यूज

स्कूटी शोरूम में लगी आग, 9 गाड़ियां जलीं

लखनऊ। लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र स्थित कुर्सी रोड पर एक स्कूटी शोरूम में आग लग गई। आग बहुमंजिला बिल्डिंग के लोअर ग्राउंड फ्लोर पर स्थित रविन्द्र इलेक्ट्रिक मोटर्स के शोरूम में लगी थी। हादसे में 9 स्कूटी जल गई, जबकि 14 स्कूटी और एक बाइक को बचा लिया गया। रात में एक दुकानदार ने शोरूम से धुआं निकलता देखा।

ट्रेजरी अफसर को डिजिटल अरेस्ट कर 84.50 लाख ठगे

लखनऊ। लखनऊ में साइबर ठगों ने खुद को पुलिस और एटीएस अधिकारी बताकर रिटायर्ड ट्रेजरी अफसर से 84.50 लाख रुपए ठग लिए। जालसाजों ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में नाम आने का डर दिखाकर 27 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखा। रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिया। पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। जानकीपुरम सेक्टर-जी स्थित एलआईजी-127 निवासी रिटायर्ड ट्रेजरी अफसर बदरुद्दीन अंसारी (85) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया 7 मार्च को उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को प्रमोद कुमार मिश्रा, सीनियर इंस्पेक्टर पुलिस लखनऊ हेडक्वार्टर बताया।

लैम्बोर्गिनी केस में 180 पेज की चार्जशीट दाखिल

कानपुर। कानपुर के चर्चित लेम्बोर्गिनी केस में पुलिस ने 180 पेज की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है। पुलिस ने तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा को आरोपी बनाते हुए 10 गवाहों को चार्जशीट में शामिल किया है। चार्जशीट में शिवम मिश्रा के साथ घटनास्थल पर मौजूद 4 बाउंसर भी गवाह बनाए गए हैं। साथ ही घटनास्थल पर लगे 4 सीसीटीवी फुटेज को भी अहम साक्ष्य के रूप में शामिल किया गया है।

अल्ट्रासाउंड करते समय डॉक्टर ने महिला को किया बैड टच

केजीएमयू प्रशासन ने नौकरी से निकला, आया पर भी एक्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। KGMU यूरोलॉजी विभाग में अल्ट्रासाउंड के दौरान महिला मरीज से छेड़छाड़ के आरोपी डॉक्टर को नौकरी से निकाल दिया गया है। आरोपी आयुष डॉक्टर की तैनाती पीपीपी मॉडल पर मशीन को चलाने के लिए निजी एजेंसी की तरफ से की गई थी। महिला मरीज की शिकायत पर शुरू में अधिकारियों ने मामले को दबाए रखा था। किरकिरी के बाद प्रशासन ने जांच कमेटी गठित की। जांच में पीड़िता के आरोप सही मिले। उसके बाद एजेंसी की तरफ से तैनात डॉक्टर और आउटसोर्सिंग पर तैनात वार्ड आया को नौकरी से निकला दिया गया है। काकोरी निवासी महिला को यूरोलॉजी संबंधी दिक्कत हुई। 1 अप्रैल को महिला मरीज इलाज के लिए KGMU पहुंची।

यूरोलॉजी विभाग के डॉक्टर ने मरीज को देखा। अल्ट्रासाउंड समेत दूसरी जांच कराने की सलाह दी। महिला अल्ट्रासाउंड जांच के लिए यूरोलॉजी विभाग पहुंची। पीड़िता ने अल्ट्रासाउंड के दौरान एजेंसी के जरिए तैनात आयुष डॉक्टर डॉ. शोएब पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। विभागाध्यक्ष से लिखित शिकायत की। काफी दिनों तक अधिकारी मामले को दबाए रखे थे। पीड़िता लगातार शिकायतें करती रही। इसके बाद KGMU प्रशासन ने 7 सदस्यीय जांच कमेटी गठित की। यूरोलॉजी के विभागीय प्रमुख प्रो.अपुल गोयल समेत कुल 7 सदस्यीय सीनियर डॉक्टरों की टीम ने शिकायत की जांच की। इस दौरान अल्ट्रासाउंड करते समय मौके पर डॉक्टर के अलावा कोई अन्य फीमेल स्टाफ न होने की पुष्टि हुई। 2 सप्ताह की जांच के बाद टीम ने रिपोर्ट कुलपति को सौंप दी। इस बीच कुलपति के यहां से कार्रवाई की निर्देश दिए गए। जिसके तहत आरोपी आयुष डॉ. शोएब और वॉर्ड स्टाफ सविता की सेवा समाप्त कर दी गई। प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया- जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर एजेंसी के जरिए तैनात आयुष डॉक्टर को KGMU से हटा दिया गया है। महिला मरीज के साथ वार्ड आया को अल्ट्रासाउंड के दौरान मौजूद रहना चाहिए।

बच्चे के सीने में घुसी सरिया गर्दन से पार हुई

सरिया समेत मां अस्पताल ले गई, गोरखपुर में पतंग उड़ाते समय छत पर गिरा

- सरिया हर्ष श्रीवास्तव के हाथ के नीचे घुसकर गर्दन के आरपार हो गई। ऑपरेशन से पहले हर्ष जिला अस्पताल में दर्द से तड़पता रहा।
- ऑपरेशन के बाद जिला अस्पताल के आईसीओ में भर्ती हर्ष। उसे अभी डॉक्टरों ने मॉनिटरिंग में रखा है।

मां अदिति ने बताया- सोमवार सुबह पति बाहर गए थे। करीब 9 बजे हर्ष छत पर खेल रहा था। दो बार उसे डांट कर नीचे लेकर आई। इसके बाद खाना बनाने लगी। छत पर जाने के लिए बनी सीढ़ियों के ऊपर 8 फीट के दीवार के सहारे टीनशेड का छज्जा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में छत पर लगी सरिया 14 साल के बच्चे के सीने और गर्दन के आर-पार हो गई। दरअसल, हर्ष सुबह-सुबह छत पर पतंग उड़ा रहा था। इस दौरान उसका पैर फिसला और वो छत पर अधूरे पड़े पिलर से निकली सरिया पर गिर गया। हर्ष दर्द की वजह से चीखने-चिल्लाने लगा। बेटे की चीख सुनकर मां छत पर पहुंची। आवाज देकर परिवार के लोगों को बुलाया। परिवार ने पुलिस को सूचना दी। सरिया काटने वाले को बुलाया।

उसने सरिया काटकर छत से अलग किया। मां बच्चे को सरिया समेत जिला अस्पताल लेकर पहुंची। इस दौरान बच्चा दर्द से कराहता रहा। डॉक्टरों की टीम ने करीब 2 घंटे तक चले आपरेशन के बाद सरिया बाहर निकाली। डॉक्टर्स ने बताया- परिवार वालों समझदारी से काम लिया। सरिया निकालने की कोशिश नहीं की। इस वजह से खून नहीं बहा। घटना सोमवार सुबह 9 बजे तिवारीपुर थाना क्षेत्र के इलाहीबाग लाला टोली क्षेत्र की है। इलाहीबाग के लाला टोली इलाके में अमरेश श्रीवास्तव का एक मंजिल का मकान है। वे वेटर का काम करते हैं। छत पर कुछ निर्माण अधूरा छूटा है। छोटे-छोटे पिलर से सरिया बाहर निकले हुए हैं। परिवार में पत्नी अदिति श्रीवास्तव के अलावा एक लड़की समेत 3 बच्चे हैं।

"जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. वीके सुमन ने बताया- बच्चे के राइट साइड सीने में सरिया घुसकर गले के ऊपर से निकल गया था। बच्चे की हालत बहुत गंभीर थी। सर्जरी की पूरी टीम बुलाई गई। तत्काल ऑपरेशन करने का फैसला लिया गया। करीब दो घंटे ऑपरेशन में बच्चे के शरीर से सरिया निकाली गई। बच्चे की हालत में अब सुधार है।

मौत : 12 साल पहले शादी, पति से तलाक के बाद 3 साल से मायके में थी

दो बेटियों संग मां ने खाया जहर

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में एक महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ जहरीला पदार्थ खा लिया। तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें आनन-फानन में हैलट अस्पताल में भर्ती कराया। वहां तीनों को मृत घोषित कर दिया गया है। महिला अपने दोनों बेटियों के साथ तीन साल से मायके में रह रही थी। घटना महाराजपुर थाना क्षेत्र की है। महाराजपुर के नजफगढ़ निवासी रामपाल की बेटी चांदनी पासवान (33) की शादी मैनपुरी जनपद के करहल, नगला सीताराम निवासी राकेश से 12 साल पहले हुई थी। उनकी दो बेटियां पायल (7) और ब्यूटी (5) हैं। परिजनों के मुताबिक चांदनी का तीन साल पहले पति से तलाक हो गया था। इसके बाद से वह अपनी बेटियों के साथ मायके में रह रही थीं। परिजनों ने बताया कि पिता रामपाल गुजरात में फैक्ट्री में काम

करते हैं। परिवार में मां शांति देवी है। परिजनों के मुताबिक मंगलवार सुबह चांदनी की तबीयत बिगड़ गई। परिजनों से उससे पूछा तो उसने बेटियों के संग जहरीला पदार्थ खाने की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे आनन-फानन में हैलट लेकर पहुंचे। वहां तीनों को मृत घोषित कर दिया। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया मां व दोनो बेटियों की मौत हो गई है। जांच की जा रही है। कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

- **भाई धर्मेंद्र ने बताया कि जानकारी देने पर भी एंबुलेंस नहीं आई तो दूसरी गाड़ी से लेकर अस्पताल ले गए। इस बीच काफी देर हो गई।**

सुबह अचानक बिगड़ी तबीयत, खुला मामला

परिजनों ने बताया कि मंगलवार सुबह चांदनी की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। जब घरवालों ने उससे कारण पूछा, तो उसने बेटियों के साथ जहरीला पदार्थ खाने की बात बताई, जिससे परिवार में हड़कंप मच गया। इसके बाद परिजन आनन-फानन में तीनों को हैलट अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

दोनों बच्चियों का शव देखकर परिवार की महिलाएं रो पड़ीं।

इलाके में मातम

इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे परिवार और गांव में शोक की लहर है। पड़ोसी और रिश्तेदार भी सदमे में हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। परिजनों के अनुसार, करीब तीन साल पहले चांदनी का अपने पति से तलाक हो गया था, जिसके बाद वह अपनी दोनों बेटियों के साथ अपने मायके में रह रही थीं। वहां तीनों को मृत घोषित कर दिया। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया मां व दोनो बेटियों की मौत हो गई है।

बंगाल चुनाव में तैनात यूपी के अफसर के वायरल वीडियो पर सियासत तेज

महिला सुरक्षा के दावों पर घेरा, बोले- कार्रवाई से ही साफ होगा सरकार का रुख

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने बंगाल चुनाव के दौरान ऑब्जर्वर बनाए गए उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के कथित अभद्र वीडियो को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस वीडियो के सार्वजनिक होने से प्रदेश की शासन-प्रशासनिक छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे 'महिला सम्मान' और 'नारी वंदन' जैसे दावे इस घटना के बाद पूरी तरह बेनकाब हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि महिला सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारी ही इस तरह के व्यवहार में लिप्त पाए जाते हैं, तो आम महिलाओं में असुरक्षा की भावना स्वाभाविक है। सपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि भाजपा शासन में ऐसे मामलों को अपवाद नहीं कहा जा

सकता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज भाजपा से जुड़ी महिलाएं भी इस तरह की घटनाओं से शर्मिंदा महसूस कर रही होंगी, क्योंकि उनके घरों में भी बेटियां और बहनें हैं। उन्होंने इस पूरे मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी के खिलाफ निलंबन या बर्खास्तगी कितनी जल्दी होती है, यह सीधे तौर पर मुख्यमंत्री की छवि से जुड़ा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में उठाए गए कदम से ही यह स्पष्ट होगा कि सरकार का वास्तविक रुख क्या है। अखिलेश यादव ने संकेत दिया कि मामला सामने आने के बाद सरकार को अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ेगा और इस बार इसे 'एआई जनरेटेड वीडियो' बताकर टालना आसान नहीं होगा। बंगाल चुनाव में तैनात यूपी के पुलिस अधिकारी के वायरल वीडियो पर अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को घेरा, महिला सुरक्षा के दावों पर उठाए सवाल और कार्रवाई की मांग की।

पृष्ठ 01 का शेष...

142 सीटों पर...

एक वीडियो में वो टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान को चेतावनी दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल के फलता विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान पर मतदाताओं को धमकाने के आरोप लगे हैं। चुनाव ड्यूटी पर तैनात आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायत दोबारा मिली तो सख्त कार्रवाई होगी। जांच के दौरान जहांगीर के घर पर 14 पुलिसकर्मी तैनात मिले। IPS अजय पाल के वीडियो सामने आने के बाद टीएमसी प्रत्याशी जहांगीर खान ने धमकी भरे अंदाज में कहा कि खेला तुमने शुरू किया, खत्म हम करेंगे। भाजपा की सबसे बड़ी उम्मीद उत्तर 24 परगना है, जहां मतुआ और शरणार्थी वोट निर्णायक हैं। सीएए का मुद्दा यहां लोगों के अस्तित्व का सवाल और भाजपा का ट्रम्प कार्ड है। इसे और पुख्ता करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी मतुआ के गढ़ ठाकुरबाड़ी पहुंचे और एसआईआर से डरे लोगों को नागरिकता का भरोसा दिया। वहीं, तृणमूल इसी 'डर' को भुनाकर मतुआ व अल्पसंख्यक वोट बैंक को एकजुट करने में जुटी है। एसआईआर ने समीकरण उलझा दिया है। बनगांव दक्षिण में जहां जीत का अंतर 2,000 था, वहां 7,000 नाम कटे हैं। कल्याणी में 2,000 के मार्जिन पर 9,000 नाम हट गए। तृणमूल के एक कार्यकर्ता ने दावा किया कि यहां हिंदुओं-मतुआ के नाम ज्यादा कटे हैं, जिससे उन्हें फायदा होगा। वहीं, पीएम के कार्यक्रम की तैयारी में आए भाजपा नेता कहते हैं- मतुआ समुदाय भाजपा का था और भाजपा के साथ है।

भारत-रूस...

बाकी के 10 हजार करोड़ रूस की केमिकल कंपनी 'यूरालकेम ग्रुप' लगाएगी। इंडियन पोटाश के MD पीएस गहलोत ने कहा कि प्रोजेक्ट कंसल्टेंट PDIL ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। यह प्लांट भारत के लिए यूरिया का एक स्थायी स्रोत बनेगा। अमेरिका-ईरान तनाव के कारण पैदा हुए संकट को देखते हुए सरकार ने 2026 के लिए 25 लाख टन यूरिया के आयात को मंजूरी दी है। यह सप्लाई 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' के रास्ते को छोड़कर अल्जीरिया, नाइजीरिया, ओमान और रूस से सीधे मंगवाई जा रही है। इस प्रोजेक्ट की नींव दिसंबर 2025 में रखी गई थी, जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आए थे। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मौजूदगी में दोनों देशों में MoU साइन हुआ था। यूरिया बनाने में सबसे मुख्य और महंगा कच्चा माल नेचुरल गैस है। रूस दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां गैस के भंडार बहुत ज्यादा हैं। भारत में गैस उतनी मात्रा में उपलब्ध नहीं है और हमें इसे बाहर से महंगे दामों पर मंगाना पड़ता है। इसी वजह से वहां यूरिया बनाना सस्ता पड़ता है। रूस के पास यूरिया बनाने की उन्नत तकनीक और बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर पहले से मौजूद है।

महिलाओं को...

पीएम ने संकल्प लिया तो पूरा भी करेंगे: भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा- प्रधानमंत्री ने चाहे हर घर शौचालय हो या उज्ज्वला योजना, इससे आपके आंसुओं को पोंछने का काम किया। लेकिन विपक्ष ने आपका रास्ता रोकने का काम किया है। लेकिन हमें पता है कि जब-जब पीएम ने संकल्प लिया, उसे पूरा किया है सपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसी पार्टियों को देश की महिलाओं को धोखा दिया। ऐसे दलों ने 40 साल से महिला आरक्षण पर ब्रेक लगाया था। सपा ने फिर से इसे लाल झंडी दिखा दी है। असली बात यह है कि ये सारे परिवारवादी और तुष्टिकरण में डूबे दल नारी शक्ति से डरे हैं। आप सभी से डरे हैं। ये परिवारवादी डर, देश की बेटियों को विधानसभा-ससंद नहीं आने देना चाहते हैं। काशी अविनाशी है। ये अनवरत चलने वाला शहर है। भारत माता की जय, हर-हर महादेव के नारे के साथ पीएम ने भाषण खत्म किया।पीएम मोदी ने कहा, भारतीय न्याय संहिता ने भी बेटियों को सुरक्षा का भरोसा दिया है। गंभीर अपराधों में तेजी से फैसले आने लगे हैं। ऐसे कदम बेटियों को सुरक्षा की गारंटी देते हैं। महिलाओं की जब आर्थिक शक्ति बढ़ती है तो घर में उनकी आवाज भी बुलंद हो जाती है। 11 साल में 10 करोड़ बहनें सेल्फ हेल्थ समूह में जोड़ी गई हैं। बहनें अपना काम कर रही हैं। 3 करोड़ लखपति दीदी बन चुकी हैं। लखपति दीदी अभियान को गति देने में हमारे डेयरी सेक्टर की बड़ी भूमिका है। बनारस डेयरी में लाखों बहनें काम कर रही हैं। इनको बोनस के तौर पर 106 करोड़ रुपए सीधे मिले हैं। मैं काशी में डेयरी सेक्टर से जुड़ी बहनों से कहूंगा कि अभी तो शुरुआत हुई है। वाराणसी बढ़ेगा, डेयरी बढ़ेगी तो बोनस भी बढ़ता जाएगा।

धर्म पूछा, कलमा...

घटना के करीब डेढ़ घंटे भीतर ही नया नगर पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे ठाणे की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 4 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। ATS ने बताया कि आरोपी साइंस ग्रेजुएट है और वह 2000 से 2020 तक अपने माता-पिता के साथ अमेरिका में रहा था। अमेरिका में नौकरी नहीं मिलने के कारण वह 2020 में भारत लौट आया। वह 2022 से मीरा रोड स्थित स्मिता रीजेंसी बिल्डिंग में अकेले रहकर ऑनलाइन केमिस्ट्री की कोचिंग देता था। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पत्नी अफगानी हैं। वह उसे छोड़कर अमेरिका चली गई हैं। ATS के मुताबिक, यह लोन वुल्फ अटैक का मामला है।

गाजीपुर पीड़ित परिवार के समर्थन में सपा, पीडीए एकता का संदेश

अखिलेश यादव बोले- अन्याय के खिलाफ एकजुट रहेगा पीडीए समाज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/गाजीपुर। अखिलेश यादवने गाजीपुर के पीड़ित परिवार को दी गई आर्थिक मदद को पीडीए समाज की एकजुटता का प्रतीक बताया है। उन्होंने कहा कि पूरे पीडीए समाज ने मिलकर 5 लाख रुपये की सहायता देकर कठिन समय में परिवार का मनोबल बढ़ाने का काम किया है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस सहयोग से पीड़ित परिवार को यह भरोसा मिलेगा कि वर्चस्ववादी ताकतों के अत्याचार के खिलाफ पूरा पीडीए समाज एकजुट होकर संघर्ष कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पीडीए समाज के मान-सम्मान, समान अवसर और समग्र विकास के लिए संघर्ष लंबा चले तो भी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ा ही वह सूत्र है, जिसने पूरे पीडीए समाज को एक साथ जोड़े रखा है और यही एकजुटता आगे भी न्याय की लड़ाई को मजबूती देगी। उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव के

निर्देश पर समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल गाजीपुर पहुंचा, जिसमें पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर, विधायक जयकिशन साहू और रीता विश्वकर्मा शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर समाजवादी पार्टी की ओर से 2 लाख रुपये और विश्वकर्मा समाज की ओर से 3 लाख रुपये, कुल 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता सौंपी। साथ ही प्रतिनिधियों ने परिवार को भरोसा दिलाया कि न्याय की लड़ाई में समाजवादी पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676